|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| 31. Dezember 2023 | | |
| **Fest der Heiligen Familie B Sonntag in der Weihnachtsoktav** | | |
| Erste Lesung: Sir 3,2-6.12-14 oder Gen 15,1-6; 21,1-3; Zweite Lesung: Kol 3,12-21 oder Hebr 11,8.11-12.17-19; | | |
| Evangelium: Lk 2,22-40 (oder 2,22.39-40) | | |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 252, 1-3 | Gelobet seist du Jesu Christ |
|  | GL 732, 1-3 | Auf, Christen, singt festliche Lieder |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 108 | Kyrie |
|  |  |  |
| Gloria: | GL 109 | Gloria in excelsis Deo |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Nach Sir: Ps 128, 1-5 | |
|  | Kehrvers: |  |
|  | GL 653, 3 | Selig, die bei dir wohnen |
|  | GL 71, 1 | Selig, wer Gott fürchtet |
|  | oder |  |
|  | nach Gen: Ps 105,1-6.8-9 | |
|  | GL 60, 1 | Der Herr hat uns befreit |
|  |  |  |
|  | GL 730, 1 | Seid nun fröhlich |
|  |  |  |
|  |  | |
| Halleluja-Ruf: | GL 244 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *Der Friede Christi triumphiere in euren Herzen.* | |
|  | *Das Wort Christi wohne mit seinem ganzen Reichtum bei euch.* | |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 241, 3+4 | Der Abglanz des Vaters |
|  | GL 248 | Ihr Kinderlein kommet |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 110 | Sanctus |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 111 | Agnus Dei |
|  |  |  |
| Danksagung: | GL 254, 1-4 | Du Kind, zu dieser heilgen Zeit |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 245, 1+2 | Menschen, die ihr wart |